आचार्य माधवचन्द्र त्रैविद्य

जीवन-परिचय : आचार्य माधवचन्द्र त्रैविद्य चन्द्रसूरि के प्रशिष्य और सकलचन्द्र के शिष्य थे। तर्क, शब्द और सिद्धान्तादि तीन विषयों में निपुण होने के कारण वे त्रैविद्य कहलाते थे।

आचार्य माधवचन्द्र का समय लगभग 12वीं शताब्दी माना जाता है।

रचना परिचय : माधवचन्द्र त्रैविद्य द्वारा रचित एक ही ग्रन्थ उपलब्ध है—

1. क्षपणासार-गद्य : क्षपणासार-गद्य में कर्मों के क्षपण करने की प्रक्रिया का सुन्दर वर्णन किया है। माधवचन्द्र ने इस ग्रन्थ की रचना शिलाहार कुल के राजा वीर भोजदेव के प्रधानमन्त्री बाहुबली के लिए की थी। क्षपणासार गद्य का निर्माण शक संवत् 1125 (सन् 1203) विक्रम संवत् 1260 में किया गया था।